

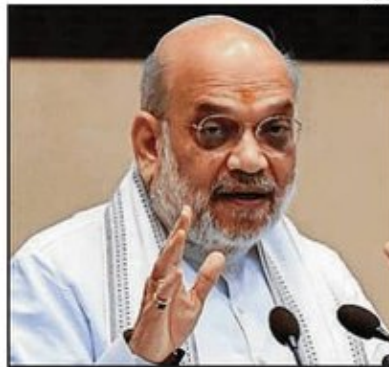
Co-op banks now in e-world with 2 apps

Will Aid Quick Access To Loans For Members

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: Home and cooperation minister Amit Shah Monday launched 'Sahkar Digi-Pay' and 'Sahkar Digi-Loan' Apps — a digital platform enabling quick, paperless, and transparent access to loans and credit for cooperative members across India — at International Conference on Urban Cooperative Credit Sector, and said efforts should be made to establish an urban cooperative bank within next five years in every town with a population of over two lakh.

"With the advent of the new era of digital payments in India, even the smallest urban cooperative societies will now be able to connect through these apps. To facilitate this, umbrella organisations will need to proactively form dedicated teams and aggressively



Amit Shah set a target of 1 urban co-operative bank in every town with over 2 lakh population

sively drive the initiative forward," Shah said while addressing the two-day conference 'Co-Op Kumbh 2025'.

"Digi Pay is the need of the hour. We know payment modes have changed. There is increasing adoption of digital payment, and if urban co-operative banks do not match, they will be out of the race," Shah said, setting a target of onboarding 1,500 banks to the platform within two years. Highlighting govt's efforts to professionalise urban cooperative banks (UCBs) and cooperative credit societies, Shah said the move has

ED finds ₹50cr scam in Kerala co-op bank

ED on Monday said its Nov 7 searches against board members and directors of Nedom Cooperative Bank in Thiruvananthapuram, associated with some CPM netas, have revealed misappropriation of funds to the tune of over Rs 50 crore, with then office-bearers found involved in forging documents, sanctioning loans beyond permissible limits, diverting funds and overall financial mismanagement, leading to the failure of the bank to honour deposit liabilities. TNN

succeeded in reducing Non-Performing Assets (NPA) from 2.8% to 0.06% in two years.

The minister set an ambitious target for National Federation of Urban Cooperative Banks & Credit Societies Limited to establish at least one additional UCB in every town with a population exceeding two lakh within five years.

Shah directed federation to convert successful cooperative credit societies into UCBs.



Publication Name:
The Hindustan Times

Publication Date:
11/11/2025

Edition:
Delhi

Page No:
11

CCM:
138.46

{ **FOR THOSE WITH POPULATION OVER 200K** }

Every city to get co-op bank in 5 yrs: Shah

Zia Haq

letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: The government is focusing squarely on expanding the urban cooperative credit sector, Union home and cooperation minister Amit Shah said on Monday, urging lenders to adopt digital technologies for transactions in a key address at an international conference in the national capital.

Every city in the country with a population of over 200,000 will have a cooperative bank in the next five years, Shah said, add-



Amit Shah

ing: "In past two years, we have succeeded in reducing the NPA (non-performing assets from 2.8% to 0.6%."

At the international confer-

ence on the urban cooperative credit sector, Co-Op Kumbh 2025, Shah listed several steps to bolster lending by financial entities in the cooperative sector, part of measures to expand business based on the shared-ownership model. He referred to the 'Delhi Declaration 2025', which will serve as the road map.

Cooperatives are collective enterprises owned jointly by their members, who share profits and losses equally. India's cooperative sector, over a century old, provides livelihood to millions in sectors such as dairy,

fisheries, finance, housing and agriculture.

Firms, such as Amul, the largest dairy producer, runs on a cooperative model.

Shah said lenders in the cooperative sector should take advantage of financial digital technologies, developed and popularized India globally. "You know that payment now happens through digital technologies. The 'Sahkar Digi-Pay' and 'Sahkar Digi-Loan' apps are set to become symbols of the cooperative sector's participation in the digital revolution."



Cities with over 2L population to have coop banks, says Shah

NEW DELHI, NOVEMBER 10

Union Home Minister and Minister of Cooperation Amit Shah on Monday said the Government would set up an urban cooperative bank in every city with a population of over 2 lakh within the next five years.

Addressing the international conference on the urban cooperative credit sector — Co-Op Kumbh 2025 — in the national capital, Shah said the event marked the International Year of Cooperatives and would play a key role in charting a roadmap to scale and modernise the cooperative banking

LAUNCHES APP

Union Cooperation Minister Amit Shah on Monday launched two mobile applications — Sahakar Digi Pay and Sahakar Digi Loan — for urban cooperative banks, describing digital payment adoption as essential for their survival in an increasingly cashless economy.

ecosystem. He said the 'Delhi Declaration 2025' would serve as a strategic blueprint for expanding and strengthening Urban Cooperative Banks across the country. — TNS

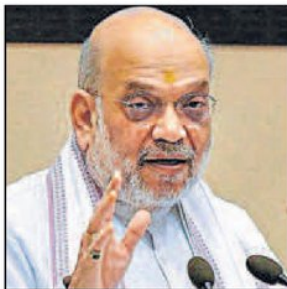
Make Cooperative Banks Empowered for the Youth: Shah

सहकारी बैंक युवाओं को सशक्त बनाएं : शाह

आह्वान

नई दिल्ली, विशेष संवाददाता।
केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि शहरी सहकारी बैंकों को युवाओं और समाज के वंचित वर्गों को सशक्त बनाने के लिए आगे आने की पहल करनी चाहिए।

सोमवार को नई दिल्ली में शहरी सहकारी ऋण क्षेत्र पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'सहकारी कुंभ 2025' का उद्घाटन करते हुए उन्होंने यह बात कही। अमित शाह ने कहा, राष्ट्रीय शहरी सहकारी बैंक और ऋण समितियों के संघों तथा शहरी संगठनों को ऐसे नैतिक दिशा-निर्देश जारी करने चाहिए, जिनके आधार पर प्रत्येक शहरी सहकारी बैंक अपने वित्तीय ढांचे



नई दिल्ली में सोमवार को 'सहकारी कुंभ 2025' को संबोधित करते मंत्री अमित शाह।

को नया स्वरूप दे सके। शाह ने कहा कि इसका उद्देश्य सहकारिता को मजबूत करने के साथ समाज के वंचित वर्गों का उत्थान करना है।

बैंक और ऋण समितियां पेशेवर बनेंगी: अमित शाह ने बताया, सरकार

दो लाख आबादी वाले शहर में अतिरिक्त बैंक खुले

शाह ने नेशनल फेडरेशन ऑफ अर्बन कोऑपरेटिव बैंक्स एंड क्रेडिट सोसायटीज लिमिटेड से विस्तार का आग्रह किया। मंत्री ने लक्ष्य रखा कि पांच साल में दो लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में कम से कम एक अतिरिक्त शहरी सहकारी बैंक खोले जाएं। सफल सहकारी ऋण समितियों को शहरी सहकारी बैंकों में बदला जाना चाहिए।

शहरी सहकारी बैंकों (यूसीबी) और सहकारी ऋण समितियों को अधिक पेशेवर बनाने की दिशा में काम कर रही है। इस क्षेत्र की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पिछले दो वर्षों में गैर-निष्पादित

आजीविका के नए अवसर पैदा करने की जरूरत

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सिर्फ सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वृद्धि ही राष्ट्रीय प्रगति का पैमाना नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि जीडीपी बढ़ने के साथ आजीविका के नए अवसर भी पैदा होने चाहिए और यह कार्य सहकारी बैंक कर सकते हैं। केंद्रीय मंत्री शाह ने सहकारी बैंकों से युवा उद्यमियों और आर्थिक रूप से वंचित वर्गों पर विशेष ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया।

परिसंपत्तियां (एनपीए) 2.8 प्रतिशत से घटकर 0.6 प्रतिशत रह गई हैं। अमित शाह ने कहा कि एनपीए में काफी अच्छा सुधार हुआ है। उनके संचालन और वित्तीय अनुशासन में भी काफी सुधार देखा जा रहा है।

शहरी सहकारी बैंकों के दो ऐप: शाह ने शहरी सहकारी बैंकों के लिए दो मोबाइल एप्लिकेशन 'सहकार डिजी पे' और 'सहकार डिजी लोन' लॉन्च किए। उन्होंने कहा कि डिजिटल भुगतान समय की मांग है। भुगतान के तरीके बदल चुके हैं। सहकारी बैंक तालमेल नहीं बिठा पाए, तो पीछे रह जाएंगे। दो साल में 1,500 बैंकों को इस डिजिटल मंच से जोड़ने का लक्ष्य है।

यह है सहकारी कुंभ 2025: यह एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन है, जो नई दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है। दो दिवसीय इस कार्यक्रम का आयोजन केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय द्वारा किया गया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शहरी सहकारी बैंकों में नवाचार, डिजिटलाइजेशन और महिला तथा युवा नेतृत्व को बढ़ावा देना है।



Cooperative Banks to Open in Towns with a Population of Over Two Lakhs

दो लाख से ज्यादा आबादी के कस्बों में खुलेंगे सहकारी बैंक

नई दिल्ली, जागरण न्यूज़: देश की सहकारिता प्रणाली अब शहरी ढांचे में नई ऊर्जा के साथ विस्तार की ओर बढ़ रही है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को दिल्ली में आयोजित 'को-आप कुंभ' का उद्घाटन करते हुए कहा कि पांच वर्षों में दो लाख से अधिक आबादी वाले हर शहर में कम से कम एक शहरी सहकारी बैंक स्थापित किया जाएगा। यह अभियान न केवल वित्तीय निवेश की दिशा में बड़ा कदम है, बल्कि रोजगार सृजन और छोटे उद्यमियों के सशक्तीकरण का माध्यम भी बनेगा। सहकारिता कोई सरकारी योजना नहीं, बल्कि समाज की आत्मा है। वह आंदोलन जितना पारदर्शी, अनुशासित और तकनीक-सक्षम बनेगा, उतना ही विकास माडल को मजबूत करेगा। अमित शाह ने इस दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'सहकार डिजी-पे' और 'सहकार डिजी-

- अमित शाह ने दिल्ली में किया दो दिवसीय को-आप कुंभ का उद्घाटन
- 'सहकार डिजी-पे' और 'सहकार डिजी-लोन' मोबाइल एप शुरू किया
- यह अभियान वित्तीय निवेश व रोजगार सृजन की दिशा में बड़ा कदम



'को-आप कुंभ 2025' के उद्घाटन के मौके पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ● एएनआई

लोन' मोबाइल एप को शुरुआत करते कहा कि कैशलेस अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ते भारत में डिजिटल भुगतान समय की मांग है। शहरी सहकारी बैंकों को प्रतिस्पर्धा में टिके रहना है तो डिजिटल लेन-देन अपनाना ही होगा। उन्होंने दो वर्षों में डेढ़ हजार शहरी सहकारी बैंकों के इस प्लेटफॉर्म से जुड़ने का लक्ष्य रखा। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों में शहरी सहकारी बैंकों की वित्तीय

स्थिति में सुधार हुआ है। एनपीए 2.8% से घटकर 0.6% रह गई हैं। छोटे शहरों तक बैंकिंग पहुंचाने पर ध्यान केंद्रित करें : सहकारिता मंत्री ने राष्ट्रीय शहरी सहकारी बैंक एवं ऋण समितियों महासंघ (नेफव्यूब) से आग्रह किया कि वह क्षेत्रीय असमानता को खत्म करने और छोटे शहरों तक बैंकिंग पहुंचाने पर ध्यान केंद्रित करें। उन्होंने कहा कि सहकारिता रान्यों का विषय है। फिर

भी केंद्र ने नीतिगत मार्गदर्शन देकर एकरूपता सुनिश्चित की है। प्राथमिक कृषि साख समितियों (पैक्स) के माडल से इनके कंप्यूटीकरण और सेवाओं के विस्तार का रास्ता खुला है। अंतरराष्ट्रीय सहकारी संघ ने अमृत को बतया विश्व में नंबर-1: अमित शाह ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सहकारी संघ (आइसीए) ने अमृत को विश्व की नंबर-1 और इफको को नंबर-2 सहकारी संस्था का दर्जा दिया है। अमूल 36 लाख किसानों की साझेदारी से योजना तीन करोड़ लीटर दूध पकड़ कर रही है और इसका वार्षिक टर्नओवर 90 हजार करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। इफको ने 93 लाख टन यूरिया और डीएपी का उत्पादन करके भारत की हरित क्रांति का स्तंभ बनने के साथ-साथ अब अपने नैनो यूरिया और नैनो डीएपी का निर्यात ब्राजील, अमेरिका, ओमान और जार्डन समेत 40 से अधिक देशों को कर रहा है।

Home Minister Amit Shah Launches Mobile App for Urban Cooperative Banks at Co-op Kumbh 2025

गृह मंत्री अमित शाह को-ऑप कुम्भ 2025 में शाह ने शहरी सहकारी बैंकों के लिए मोबाइल एप लॉन्च किए

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को शहरी सहकारी



बैंकों के लिए दो मोबाइल एप 'सहकार डिजी पे' और 'सहकार डिजी लोन' लॉन्च किए। शाह

ने कहा, डिजिटल भुगतान समय की मांग है। हम जानते हैं कि भुगतान के तरीके बदल गए हैं। डिजिटल भुगतान का चलन बढ़ रहा है और अगर शहरी सहकारी बैंक इसके साथ तालमेल नहीं बिठा पाते हैं, तो वे इस दौड़ से बाहर हो जाएंगे। उन्होंने दो साल के

भीतर 1,500 बैंकों को इस मंच से जोड़ने का लक्ष्य रखा। उन्होंने कहा, जीडीपी में वृद्धि होनी चाहिए, लेकिन साथ ही आजीविका के विकल्प भी पैदा होने चाहिए, जो सहकारी बैंक कर सकते हैं। शहरी सहकारी ऋण क्षेत्र पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'को-ऑप कुम्भ 2025' को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए शाह ने शहरी सहकारी बैंकों (यूसीबी) और सहकारी ऋण समितियों को पेशेवर बनाने के लिए सरकार के प्रयासों के बारे में बताया। उन्होंने कहा, हमने पिछले दो साल में नॉन-परफॉर्मिंग असेट्स (एनपीए) को 2.8% से घटाकर 0.06% करने में सफलता प्राप्त की है।

Urban Cooperative Banks: Shah Emphasizes Digital Payments to Maintain Existence

अस्तित्व बचाए रखने के लिए डिजिटल भुगतान पर जोर दें शहरी सहकारी बैंक : शाह

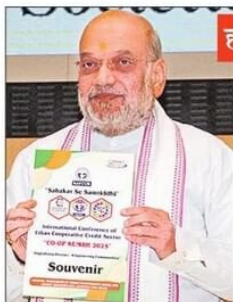
केंद्रीय सहकारिता मंत्री ने शहरी सहकारी बैंकों के लिए लॉन्च किए दो मोबाइल एप्लिकेशन

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को शहरी सहकारी बैंकों (यूसीबी) के लिए दो मोबाइल एप्लिकेशन 'सहकार डिजी पे' और 'सहकार डिजी लोन' पेश किए।

मंत्री ने कहा, भुगतान के तरीके बदल गए हैं। डिजिटल भुगतान समय की मांग है। अगर शहरी सहकारी बैंक डिजिटल भुगतान पर जोर नहीं देंगे और इसके साथ तालमेल नहीं बिठा पाते हैं, तो वे

इस दौर से बाहर हो जाएंगे। शहरी सहकारी ऋण क्षेत्र पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए शाह ने दो वर्षों में 1,500 बैंकों को इस मंच से जोड़ने का लक्ष्य रखा। साथ ही कहा, यूसीबी और सहकारी ऋण समितियों को पेशेवर बनाने के लिए सरकार ने कई प्रयास किए हैं। अब शहरी सहकारी बैंकों को भी आगे आना होगा और तेजी से बढ़ती नकदी रहित अर्थव्यवस्था में अपना अस्तित्व बचाए रखने के लिए डिजिटल भुगतान को अपनाना होगा।



शहरी सहकारी ऋण क्षेत्र के दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में अमित शाह। एजेंसी

हर शहर में एक यूसीबी खोलने का लक्ष्य

शाह ने नेशनल फेडरेशन ऑफ अर्बन कोऑपरेटिव बैंक्स एंड क्रेडिट सोसायटीज लि. (एनएफसीयूबी) से आगे विस्तार करने का आग्रह किया। उन्होंने एनएफसीयूबी के लिए एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया कि पांच साल के भीतर दो लाख से अधिक आबादी वाले हर शहर में कम-से-कम एक अतिरिक्त शहरी सहकारी बैंक स्थापित किया जाए। उन्होंने फेडरेशन से कहा, सफल सहकारी ऋण समितियों को शहरी सहकारी बैंकों में बदलने पर विचार करना चाहिए।

■ युवा उद्यमियों और वंचितों पर ध्यान दें यूसीबी : शाह ने जोर देकर कहा, सिर्फ सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वृद्धि ही राष्ट्रीय प्रगति का मापदंड नहीं हो सकती। जीडीपी में वृद्धि के साथ आजीविका के विकल्प भी पैदा होने चाहिए, जो सहकारी बैंक कर सकते हैं। उन्होंने शहरी सहकारी बैंकों से युवा उद्यमियों और आर्थिक रूप से वंचितों पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया।

Amit Shah launches digital app for urban cooperative banks

अमित शाह ने शहरी सहकारी बैंकों के लिए डिजिटल ऐप शुरू किए

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को शहरी सहकारी बैंकों के लिए दो मोबाइल एप्लिकेशन - 'सहकार डिजी पे' और 'सहकार डिजी लोन' - पेश किए।

उन्होंने डिजिटल भुगतान को तेजी से बढ़ती नकदी रहित अर्थव्यवस्था में इन बैंकों के अस्तित्व के लिए जरूरी बताया। शहरी सहकारी ऋण क्षेत्र पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए शाह ने शहरी सहकारी बैंकों (यूसीबी) और सहकारी ऋण समितियों को पेशेवर बनाने के



लिए सरकार के प्रयासों के बारे में बताया। उन्होंने इस क्षेत्र की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार की ओर इशारा किया, जहां पिछले दो वर्षों में गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां 2.8 प्रतिशत से घटकर 0.6 प्रतिशत रह गई हैं। शाह ने कहा, "एनपीए में अच्छा सुधार

हुआ है। उनके संचालन और वित्तीय अनुशासन में सुधार हुआ है।' उन्होंने नेशनल फेडरेशन ऑफ अर्बन कोऑपरेटिव बैंक्स एंड क्रेडिट सोसायटीज लिमिटेड (एनएएफसीयूबी) से आगे विस्तार करने का आग्रह किया। मंत्री ने एनएएफसीयूबी के लिए एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया कि पांच साल के भीतर दो लाख से अधिक आबादी वाले प्रत्येक शहर में कम से कम एक अतिरिक्त शहरी सहकारी बैंक स्थापित किया जाए। उन्होंने फेडरेशन से कहा कि सफल सहकारी

ऋण समितियों को शहरी सहकारी बैंकों में बदलना चाहिए। शाह ने कहा, "डिजिटल भुगतान समय की मांग है। हम जानते हैं कि भुगतान के तरीके बदल गए हैं। डिजिटल भुगतान का चलन बढ़ रहा है, और अगर शहरी सहकारी बैंक इसके साथ तालमेल नहीं बिठा पाते हैं, तो वे इस दौड़ से बाहर हो जाएंगे।" उन्होंने दो साल के भीतर 1,500 बैंकों को इस मंच से जोड़ने का लक्ष्य रखा। मंत्री ने जोर देकर कहा कि केवल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि ही राष्ट्रीय प्रगति का मापदंड नहीं हो सकती।

Home and Cooperation Minister Amit Shah said, a roadmap for the expansion of Urban Cooperative Banks will be created. Urban Cooperative Banks will be opened in every city with a population of more than 2 lakhs: Shah

गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह बोले, अर्बन कोऑपरेटिव बैंकों के विस्तार का रोडमैप बनेगा

2 लाख से अधिक आबादी वाले हर शहर में खुलेंगे अर्बन कोऑपरेटिव बैंक: शाह

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को नई दिल्ली में शहरी सहकारी ऋण क्षेत्र के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए बताया कि 2 लाख से अधिक आबादी वाले हर शहर में एक अर्बन सहकारी बैंक बनाने का लक्ष्य है। पांच साल में सहकारी बैंकों के विस्तार पर कार्य चल रहा है।

गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि हमने सहकारिता मंत्रालय के लिए 4 लक्ष्य तय किए हैं- जेनरेशन सहकार का विकास, यानी, हमारी युवा पीढ़ी को सहकारिता के साथ जोड़ना और इसके लिए त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी बनाई है जो सहकारिता क्षेत्र की हर प्रकार की जरूरतों को पूरा करेगी। हर प्रकार की चुनौतियों का सामना कर पाने वाली सहकारी समितियों को भी तैयार करने का लक्ष्य



नई दिल्ली में शहरी सहकारी ऋण क्षेत्र के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से भेंट करते कर्नाटक के कानून, संसदीय कार्य एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. एचके पाटिल।

हमने रखा है।

शाह ने कहा कि अर्बन कोऑपरेटिव बैंकों को अपना कोर काम मल्टी-सेक्टर अप्रोच के साथ देश के युवा उद्यमियों, स्वयं सहायता समूहों और कमजोर तबके के लोगों के सशक्तिकरण के लिए करना होगा। हमारा लक्ष्य कोऑपरेटिव को मजबूत

करने के साथ-साथ कमजोर तबके के लोगों को भी मजबूत करना है और अर्बन कोऑपरेटिव बैंकों के सिवा यह काम कोई और नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि अर्बन कोऑपरेटिव बैंक के माध्यम से कमजोर व्यक्ति का सशक्तिकरण करना भी हमारा लक्ष्य होना चाहिए।

विश्व में दूसरे नंबर की संस्था बनी इफ्को : केंद्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि इफ्को को विश्व की दूसरे नंबर की सहकारी संस्था का स्थान मिला है। इफ्को ने 41 हजार करोड़ रुपये का टर्नओवर और 3 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया है। इफ्को, कोऑपरेटिव सोसायटीज की सोसायटी है और देशभर में 35 हजार कोऑपरेटिव सोसायटीज, जिनमें अधिकतर प्राथमिक कृषि ऋण समितियां और मार्केटिंग से जुड़ी हुई समितियां हैं, इसके सदस्य हैं। लगभग 5 करोड़ से अधिक किसान इन समितियों के माध्यम से इफ्को के सदस्य बने हैं और आज इफ्को 93 लाख मीट्रिक टन यूरिया और डीएपी का उत्पादन कर हमारे देश की हरित क्रांति का स्तंभ बन गया है। उन्होंने कहा कि आज इफ्को के नैनो यूरिया और नैनो डीएपी, ब्राजील, ओमान, अमेरिका, जॉर्डन और दुनिया के 65 देशों में निर्यात हो रहे हैं।